सरकूलर नं0 अपमा/2014–2016/391 दिनांकः 24–11–2016

प्रिय व्यापारी भाईयों, आप सभी ने मुझमें विश्वास व्यक्त कर प्रधान पद का महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया था, उसके लिए मैं आप सभी का हार्दिक रूप से आभार व्यक्त करता हूं। संस्था के सत्र 2014–2016 के दो वर्ष कब बीत गये, पता ही नहीं चला। हर प्रधान के लिए यह आवश्यक होता है कि जब उसका कार्यकाल पूर्ण हो रहा हो तो उसे याद रहना चाहिए कि उसके कार्यकाल के पूर्ण होने या करवाने में अनगिनत लोगों का हाथ होता है। अतः मैं प्रयास करूंगा कि मैं उन सबका आभार व्यक्त करूं। सर्वप्रथम मैं आभार व्यक्त करता हूॅ अपमा के उन स्तम्भों (पूर्व प्रधानों एवं पूर्व पदाधिकारियों को), विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूॅ पूर्व प्रधान श्री चन्द ओबराय जी एवं निवर्तमान प्रधान श्री शंकरलाल अग्रवाल जी का जिन्होंने न केवल मुझे दिशा निर्देश ही दिये वरन् पूर्ण रूप से एवं खुले मन से जब–जब मैंने किसी भी प्रकार का संस्था के लिए सहयोग मांगा, उन्होंने आशा से अधिक दिया। मैं आभार व्यक्त करता हूॅ सत्र 2016–2018 के चुनाव आयुक्त श्री नरेन्द्र मदान जी का जिनके नेतृत्व में सत्र 2016–2018 के अपमा चनाव पारदर्शिता, निष्पक्षता, सहजता, सरलता एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुए। चुनाव में मतदान करने आये अपमा सदस्यों ने चुनाव आयुक्त द्वारा किये गये प्रबन्धों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। मैं आभार व्यक्त करना चाहूॅगा वर्तमान समस्त कार्यकारिणी एवं उनके पदाधिकारियों का विशेष रूप से महासचिव एवं कोषाध्यक्ष का जिनके सहयोग के बिना इस सत्र का पूर्ण होना सम्भव नहीं था। मेरी समस्त कार्यकारिणी ने समय–समय पर मेरे साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर सहयोग दिया, जिसके फलस्वरूप मैं तथा समस्त कार्यकारिणी आपके दिए हुए वोट रूपी मान की लाज रख सके हैं। मेरे सभी साथियों ने जितना–जितना मेरा सहयोग किया, मैं उस सहयोग का एक हजार गुणा भी आभार व्यक्त करूं तो कम है।

इस संस्था को सुचारू रूप से चलाने में कार्यकारिणी के साथ–साथ संस्था की सबकमेटोयां एवं कमेटोयो के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य, जो सच्चे सिपाही होते हैं, जिन्हें आप नामों से कम और कार्यों से अधिक पहचानते हैं। मैं उन समस्त कमेटोयों का आभारी हूॅ विशेष रूप से मनोरंजन उपसमिति जिनके द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के विषय में आप जानते हैं कि अपमा पिकनिक मेला तथा होली मिलन इत्यादि कार्यक्रमों की आप लोगों ने काफी प्रशंसा की, उसके लिए मनोरंजन उपसमिति के समस्त पदाधिकारियों तथा सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूॅ। डिस्पेन्सरी उपसमिति, कर उपसमिति एवं समस्त उप समितियों के चैयरमैन एवं उनके समस्त

कृ0प0उ0.....2

पदाधिकारियों तथा सदस्यों की जितनी भी तारीफ करूं, कम है। अपमा का समस्त स्टाफ एवं डा0 पीयुष रतन आर्य जी भी बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने दिन देखा ना रात, मैंने जो भी आदेश संस्था के लिए दिये, उनकी उन्होंने सच्चे मन से पालना की तथा भरपूर मेहनत से संस्था की एवं समस्त कार्यकारिणी की शान में चार–चांद लगवाए। अब बारी उनकी आती है, जिनके बिना इस संस्था का, संस्था के प्रधान का, संस्था के कार्यकारिणी सदस्यों का, अपमा के कर्मचारियों का कोई औचित्य नहीं, वे हैं आप सब अपमा के सम्मानित सदस्य। मैं आप का आभार व्यक्त किन शब्दों में करूं, मेरे पास ना तो शब्द हैं और ना ही कोई ऐसा माध्यम कि मैं किस–किस रूप में तथा किन–किन कार्यो के लिए आपका आभार व्यक्त करूं, अब आप ही मुझे बताएं।

आपके आशीर्वाद रूपी वोट का ।
आपके द्वारा दिए गए संस्था को आर्थिक सहयोग का ।
आपके द्वारा दिये गए धरने एवं प्रदर्शनों के लिए सहयोग का।

भाईयों, मैंने अपन पूर्ण सामर्थ्य एवं सक्रियता से व्यापार जगत की एवं स्थानीय समस्याओं को यथासमय पर सुलझाया, अपने दायित्व की कसौटी पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया। आप तो जानते हैं कि मनुष्य गल्तियों का पुतला है तथा जो भी मनुष्य कार्य करता है उससे त्रुटियां का होना स्वभाविक है, अगर कोई कार्य नहीं हो पाये उनके न होने का कारण मैं स्वयं हूँ, हो सकता है मैंने अपने इस कार्यकाल में कुछ ऐसी त्रुटियां की हो या जाने अनजाने मुझसे कोई ऐसी त्रुटि हो गई हो या मरी कोई बात आपको पसंद ना आई हो या मेरे किसी ऐसे वक्तव्य से किसी भाई को ठेस पहुँची हो, यकीन मानना मेरी भावना कभी भी किसी को ठेस पहुँचाने की नहीं रही, फिर भी यदि ऐसा आपको महसूस हुआ हो तो मैं आपसे करबद्ध प्रार्थना करता हूँ कि मुझे आप अपनी ओर से सबसे बड़ा दान क्षमादान देकर कृतार्थ करें और मैं आशा करता हूँ कि मेरे आने वाले प्रधान श्री आर.के. गुप्ता जी, जो काम रह गये हैं उन्हें पूर्ण करेंगे और मैं उनका पूर्ण सहयोग करूंगा।

मैं आप को एक वचन देता हूँ कि मैं किसी पद पर रहूँ या ना रहूँ मैं आपके लिए आपकी सेवा के लिए जितना भी संभव हो सकेगा मैं कार्य अवश्य करूंगा। आप किसी भी समय मुझे बुला सकते हैं या मेरे पास आ सकते हैं मेरे कार्यालय के द्वार सदैव आपके लिए खुले है तथा भविष्य मं यदि मैं आपके किसी काम आ सकू तो अपने आपको खुश नसीब समझुंगा।

आपका अपना

(रामदास कुकरेजा)
प्रधान 2014–2016
support@boostbelts-hoses.in